



डॉ. महेश शर्मा ने बौद्ध पर्व: बौद्ध विरासत के समृद्ध उत्सव का उद्घाटन किया।

महात्मा बुद्ध- बिमस्टेक देशों में एक सूत्र के प्रतीक: संस्कृति मंत्री।

Posted On: 09 DEC 2017 3:08PM by PIB Delhi

संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा ने वर्तमान समय में भगवान बुद्ध के शांति और सद्भाव के संदेश को प्रासंगिक बताते हुए कहा कि इन संदेशों ने विभिन्न देशों को एक सूत्र में पिरोया है। डॉ. शर्मा आज दिसम्बर 08, 2017 को नई दिल्ली में बौद्ध पर्व: बौद्ध विरासत के समृद्ध उत्सव का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ढाई सहस्राब्दी पहले दिए गए महात्मा बुद्ध के संदेश आज भी प्रासंगिक हैं और यह विभिन्न देशों के बीच एक कड़ी के रूप में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि शांति, समग्रता और प्रेम व स्नेह के नैतिक मूल्य हमारे समाज में विद्यमान हैं और इन पर महात्मा बुद्ध और बौद्ध धर्म की शिक्षाओं का प्रभाव है। डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि बौद्ध पर्व के अंतर्गत बौद्ध विरासत की घनिष्ठ परंपरा दर्शायी गई है इस दौरान भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध कलाओं और वास्तु की प्रदर्शनी, विशिष्ट शिक्षाविदों और बौद्ध धर्म के अनुयायी के बीच संवाद, बौद्ध संयासियों द्वारा बौद्ध धर्म के संदेशों का पाठ और चिंतन, बौद्ध धर्म पर फिल्मों का प्रदर्शन, नृत्य एवं संगीत, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं एवं खानपान के स्टॉल भी लगाए गए हैं। इससे बिमस्टेक देशों की समृद्ध और समान परंपरा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्रीय संगठन में बंगाल की खाड़ी के आसपास के सात सदस्य देश शामिल हैं जो एकता के बंधन में बंधे हैं। बिमस्टेक देशों ने इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूरे विश्व की आबादी का पांचवे हिस्से के बराबर इन देशों की संयुक्त रूप से जीडीपी 2 दशमलव 8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। अक्टूबर, 2016 में गोवा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित इन देशों के नेताओं के सम्मेलन में इस दिशा को और अधिक गति हासिल हुई है। सदस्य देशों के बीच संपर्क, व्यापार, लोगों के बीच आपसी संपर्क और संसाधनों के अधिकाधिक इस्तेमाल पर सहमति बनी है और इस पर तेजी से कार्यान्वयन हो रहा है। डॉ. शर्मा ने कहा कि भारत बिमस्टेक को अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं नेबरहुड फसट और एक्ट ईस्ट की पूर्णता के लिए एक नैसर्गिक प्लेटफॉर्म के रूप में देख रहा है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन, पर्यटन, पारंपरिक औषधियों एवं लोगों के बीच आपसी संपर्क के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'बौद्ध पर्व' जैसे उत्सवों से बाण्ड बिमस्टेक के संवर्द्धन में बहुत मदद मिलेगी।

बौद्ध पर्व के उद्घाटन समारोह में नेपाल के संस्कृति, पर्यटन एवं नागरिक विमानन मंत्री श्रीजितेन्द्र नारायण देव, विदेश मंत्रालय की सचिव श्रीमती प्रीति शरण, बंगलादेश के संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री इब्राहिम हुसैन खान, बिमस्टेक सदस्य देशों के मिशनो के प्रमुख, तथा भारत एवं अन्य बिमस्टेक सदस्य देशों के कलाकार एवं विद्वान भी शामिल थे।

बिमस्टेक की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर विभिन्न समारोहों के एक भाग के रूप में 8 से 10 दिसम्बर को बौद्ध पर्व बौद्ध विरासत के समृद्ध उत्सव का आयोजन किया गया है।

वीके/डीएस/आरके-5792

(Release ID: 1512156) Visitor Counter : 92

